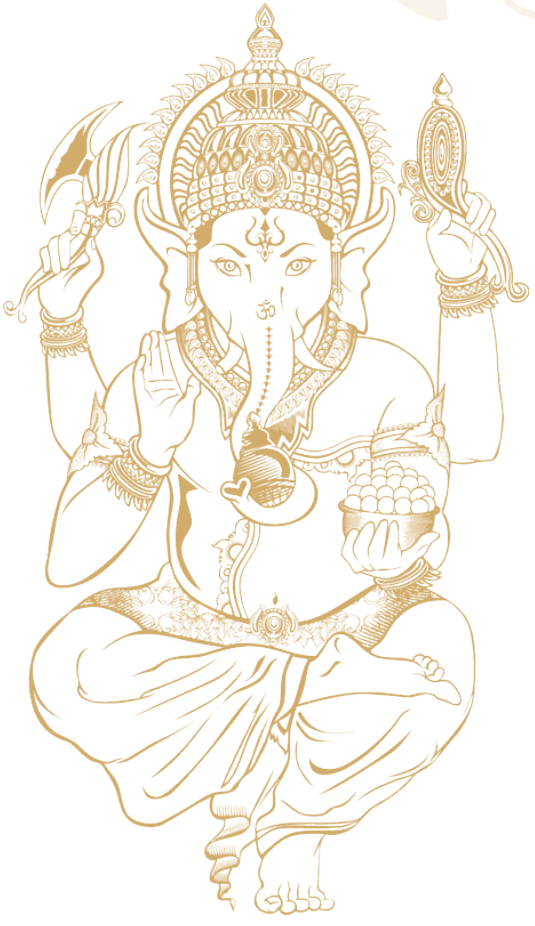

Puneet parcha

30 Jan 2005

09:49 AM

Delhi

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121758902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30/01/2005**
दिन	रविवार
जन्म समय	**09:49:00 घंटे**
इष्ट	06:35:55 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:27:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:19 घंटे
साम्पातिक काल	18:05:53 घंटे
सूर्योदय	07:10:37 घंटे
सूर्यास्त	17:58:34 घंटे
दिनमान	10:47:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	16:26:53 मकर
लग्न के अंश	08:10:32 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सुकर्मा
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	08:10:32	515:21:00	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मक	16:26:53	01:00:55	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	09:14:35	12:29:01	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			धनु	00:43:29	00:42:10	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	मित्र राशि
बुध		अ	मक	05:59:13	01:36:14	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	सम राशि
गुरु			कन्या	24:55:22	00:00:33	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	शत्रु राशि
शुक्र			मक	01:43:18	01:15:09	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि	व		मिथु	28:39:00	00:04:34	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	01:45:54	00:03:14	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	01:45:54	00:03:14	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
हर्ष			कुंभ	11:21:47	00:03:12	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	---
नेप			मक	20:58:21	00:02:16	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	29:45:18	00:01:42	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			धनु	07:25:26	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:35

लग्न-चलित

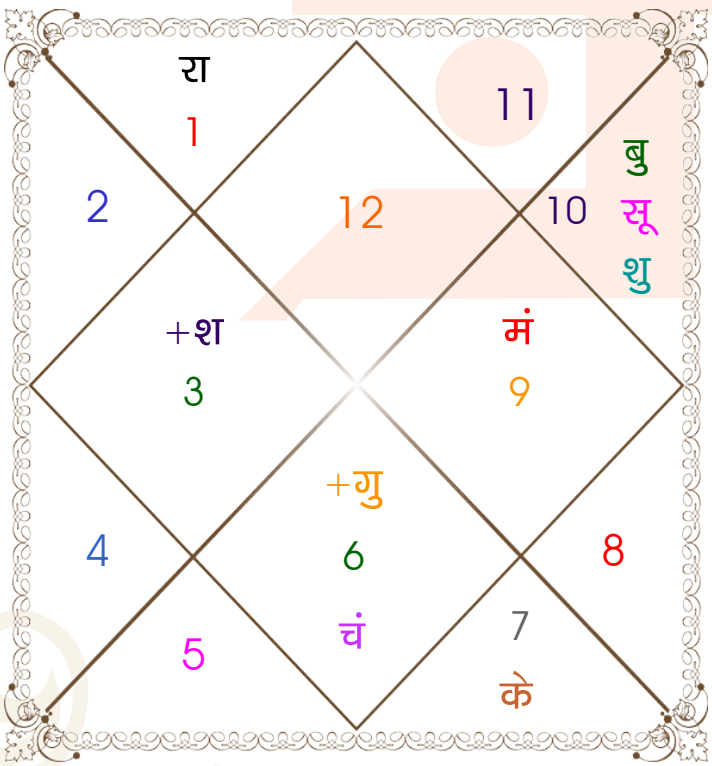

चन्द्र कुंडली

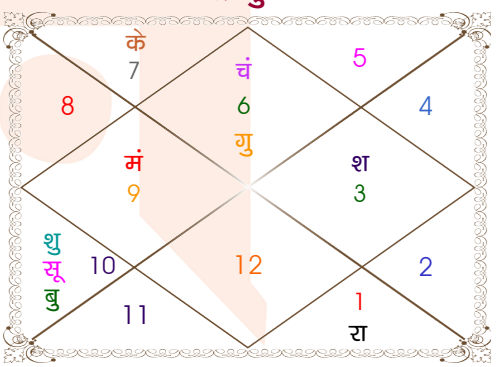

नवमांश कुंडली

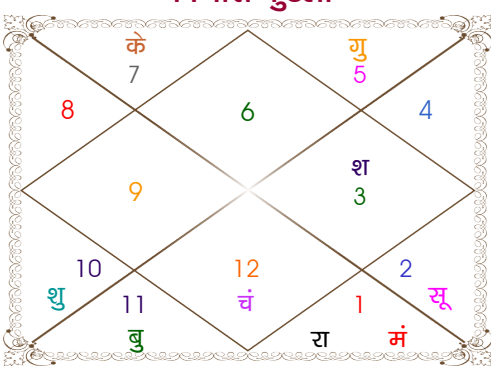

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 4 मास 2 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
30/01/2005		03/06/2005		04/06/2015		04/06/2022		03/06/2040	
03/06/2005		04/06/2015		04/06/2022		03/06/2040		03/06/2056	
	00/00/0000	चंद्र	04/04/2006	मंगल	31/10/2015	राहु	14/02/2025	गुरु	22/07/2042
	00/00/0000	मंगल	03/11/2006	राहु	17/11/2016	गुरु	10/07/2027	शनि	02/02/2045
	00/00/0000	राहु	04/05/2008	गुरु	24/10/2017	शनि	16/05/2030	बुध	10/05/2047
	00/00/0000	गुरु	03/09/2009	शनि	03/12/2018	बुध	03/12/2032	केतु	15/04/2048
	00/00/0000	शनि	04/04/2011	बुध	30/11/2019	केतु	21/12/2033	शुक्र	15/12/2050
	00/00/0000	बुध	02/09/2012	केतु	28/04/2020	शुक्र	21/12/2036	सूर्य	04/10/2051
	00/00/0000	केतु	03/04/2013	शुक्र	28/06/2021	सूर्य	15/11/2037	चंद्र	02/02/2053
	30/01/2005	शुक्र	03/12/2014	सूर्य	02/11/2021	चंद्र	17/05/2039	मंगल	08/01/2054
शुक्र	03/06/2005	सूर्य	04/06/2015	चंद्र	04/06/2022	मंगल	03/06/2040	राहु	03/06/2056

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
03/06/2056		04/06/2075		03/06/2092		04/06/2099		05/06/2119	
04/06/2075		03/06/2092		04/06/2099		05/06/2119		31/01/2125	
शनि	07/06/2059	बुध	30/10/2077	केतु	30/10/2092	शुक्र	04/10/2102	सूर्य	22/09/2119
बुध	14/02/2062	केतु	28/10/2078	शुक्र	30/12/2093	सूर्य	05/10/2103	चंद्र	23/03/2120
केतु	26/03/2063	शुक्र	28/08/2081	सूर्य	07/05/2094	चंद्र	04/06/2105	मंगल	29/07/2120
शुक्र	25/05/2066	सूर्य	04/07/2082	चंद्र	06/12/2094	मंगल	04/08/2106	राहु	23/06/2121
सूर्य	07/05/2067	चंद्र	03/12/2083	मंगल	04/05/2095	राहु	04/08/2109	गुरु	11/04/2122
चंद्र	06/12/2068	मंगल	30/11/2084	राहु	22/05/2096	गुरु	04/04/2112	शनि	24/03/2123
मंगल	15/01/2070	राहु	19/06/2087	गुरु	28/04/2097	शनि	05/06/2115	बुध	28/01/2124
राहु	21/11/2072	गुरु	24/09/2089	शनि	07/06/2098	बुध	05/04/2118	केतु	04/06/2124
गुरु	04/06/2075	शनि	03/06/2092	बुध	04/06/2099	केतु	05/06/2119	शुक्र	31/01/2125

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 4 मा 2 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर लिए तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगा। अर्थात् आपका विनाश कर देगा। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दिए तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगे। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगे, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगे। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगे जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन के स्वामी होंगे। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगे। आप समाजिक क्लब के सदस्य होंगे। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगे। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करना पड़ेगा। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाले बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखते हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करते हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाते हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकते है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करते हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देते हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलते हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति के प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगे तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगे। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकते हैं। यदि आप चयन करेंगे तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।